देश भक्ति गीत → जो दुनिया सारी छोड चले

जो दुनिया[2] सारी छोड चले, जो दुनिया सारी छोड चले।
जरा याद तो उनको कर लेना आंखो में आँसू भर लेना ॥
दो आँसू तुम भी आंखो से, जरा उनके लिए बहा देना।
मैं कहता हूं[2] सब लोगों से, जरा याद तो तुम भी कर लेना।
जो दुनिया[2] सारी छोड चले - - - - -

सासों की डोरी टूट गयी उसे साथ किसी का मिल न सका।
सपनों की दुनिया बिखर गयी वो सपने सारे टूट गए ॥
मैं करू विनती[2] सब लोगो से जरा याद तो उनको कर लेना।
जो दुनिया[2] सारी छोड चले - - - - - - -

जब याद उनकी आ जाए तो तुम भी दो आँसू बहा देना।
जब आँसू बहते जाए तो, जरा हमको आकर बता देना ॥
मैं कहता हूं[2] सब लोगो से जरा सीस तुम भी झुका देना।
जो दुनिया[2] सारी छोड चले - - - - - - -

नमन है उनकी शहादत को, नमन है उनके त्याग को।
नमन है ऐसे वीरो को जो आजादी हमे दे गए ॥
मैं करता हूं[2] प्रणाम उनको ऐसे वीर शहीदो को।
जो दुनिया[2] सारी छोड चले - - - - -

"लेखक"

Jaikishan
9509064670

देश भक्ति गीत :- लो आज फिर याद शहीदो की आ गई

लो आज उन वीर शहीदो की याद फिर से आ गयी।
जिसने अपनी जान गवा कर दी थी हमको आजादी।।
उनके इस बलिदान को हम भूल कभी न पाएंगे।
लो आज उन वीर - - - - - - - -
उन वीर शहीदो के सपनो को हम पूरा करते जाएंगे।
चाहे जान हमारी चली जाए हम उनसे न घबराएंगे।
उनकी दी आजादी को हम भूल कभी न पाएंगे।।
लो आज उन वीर - - - - - - -
हम उनके बताए रस्ते पर सदा यू ही चलते जाएंगे।
हो सामने कितनी बाधाए हम उनको हटाते जाएंगे।।
हम उनके इस देश प्रेम को भूल कभी न पाएंगे।
लो आज उन वीर - - - - - - - -
हम वीर शहीदो की यादो को सदा दिल मे बसाए रखते है।
जब याद उनकी आ जाती तो आँखो मे आँसू आ जाते।
हम उनके दिए बलिदान को भूल कभी न पाएंगे।

लेखक

Jaikishan

9509064670

देश भक्ति गीत :- खुशियो का दिन आया है।

खुशियो का दिन आया है जो सोचा वो पाया है।
आज मेरे इस देश मे तिरंगा फहराया है।
खुशियो का दिन - - - - - -
तेरे खातिर वीरो ने कितना कष्ट उठाया था।
हर घड़ी हर पल वो तेरे लिए ही जीते थे।
तेरे खातिर वीरो ने अपने प्राण गवाए थे।
खुशियो का दिन - - - - - -
सीने मे हर दम हमने तुम्हे बसाया है।
दिल में हर पल हमने तुम्हे बसाया है।
तू न जाने तेरी खातिर कितना दर्द उठाया है।
खुशियो का दिन - - - - - -
हम तेरे लिए ही जीते है, हम तेरे लिए ही मरते है।
तुझे ही लेके चलते है, हम आगे बढ़ते जाते है।
तू न जाने तेरी खातिर कितना कष्ट उठाया है।
खुशियो का दिन - - - - - - -
हम पूजा तेरी करते है तुम ही मेरे भगवान हो।
तुम ही मेरे सब कुछ हो, तुम ही मेरी जान हो।।
तू न जाने तेरी खातिर हम अपनी जान गवा देंगे।
खुशियो का दिन - - - - - -

लेखक
Jaikishan
9509064670

देश भक्ति कविता :- उठो जवानो उठो जवानो

उठो जवानो उठो जवानो, भारत के तुम नौजवानो।
दुश्मन ने ललकारा है, उनको दूर भगाना है।।
उठो जवानो - - - - - - - -

हाथ मे बन्दुक ले लो और ले लो तलवार तुम।
डट जाओ सीमा पे जाकर अपना सीना तान के।।
उठो जवानो - - - - - - - -

तिलक लगा लो इस माटी से, करलो इनको प्रणाम तुम।
अपना तन मन धन सब कर दो इस पे कुर्बान तुम।।
उठो जवानो - - - - - -

दुनिया को दिखला दो तुम अपनी ताकत आज।
आँख न उठा पाए भारत पे ऐसा सबक सीखा दो तुम।।
उठो जवानो - - - - - - - -

माँ की पावन गोदी को खुशियो से भर दो तुम।
माँ के पावन चरणो मे अपना सिस चढा दो तुम।।
उठो जवानो - - - - - -

आओ हम सब मिलकर इस धरती को स्वर्ग बना देंगे।
आपस मे मिल झुल रहने का दुनिया को पाठ पढा देंगे।।
उठो जवानो - - - - - - - -

लेखक

Jaikishan

9509064670

देश भक्ति कविता :- अब तो सुधर जाओ :-

अब तो सुधर जाओ अरे ओ पाकिस्तानियो ।
क्यूं लेते हो निर्दोश लोगो की जान अरे ओ पाकिस्तानियो ।।
हमने तो पड़ोसी समझ बहुत कुछ दिया है तुमको ।
अरे फिर तुम क्यूं भूलते हो हमारे किए उपकारो को ।।
क्या फिर भी लाशे बिछाते तुम्हे जरा सी शर्म नही आती ।
अरे अब तो सुधर जाओ - - - - -
अरे है क्या तुम्हारे पास जिस पर तुम इतना इतराते हो ।
तुम्हे सब मालुम है फिर क्यूं सिर उठाते हो ।।
क्या भूल गए सन 1965 को क्या भूल गए सन 1971 को
क्या भूल गए सन 1999 को जब हमसे मुंह कि खायी ।
अरे क्यूं भूलते हो ये सब क्या अब भी समझ नही आयी ।
अरे अब तो सुधर जाओ - - - -
अरे निर्दोश लोगो कि जान से कश्मीर नही मिलेगा ।
कश्मीर तो हमारे दिल का टुकड़ा है और हमारा ही रहेगा ।।
उस पर आँख उठाने की कोशिश मत करना ।
वरना धरती माँ कि कसम हम चीर के रख देंगे ।।
अरे अब तो सुधर जाओ - - - - -
अरे क्यूं भेजते हो आतंकवादियों को जेहाद के नाम पर ।
क्यूं लेते हो निर्दोष लोगो की जान धर्म के नाम पर ।।
क्या मर गयी है तुम्हारी इंसानियत जो तुम ऐसा करते हो ।
ऐसी भूल अब कभी न करना वरना तुम्हारे
पाकिस्तान का कब्रिस्तान बना देंगे ।
अरे अब तो सुधर जाओ - - - - -

लेखक
Jaikishan
9509064670

नारी दास्ता :- ऐ दुनिया के लोगों।

ऐ दुनियां के लोगों मैं करती हुं एक विनती।
क्यूं मुझको तड़फाते हो क्यूं मुझको सताते हो।
मैं तो भोली लड़की हूं कहना सबका मानती।
जो भी मुझसे कहते हो वो मैं पूरा करती हूं।
फिर भी तुम सताते हो ऐसा तुम क्यूं करते हो।
ऐ दुनिया के लोगों - - - - - - - -
क्यूं बेटा इतना प्यारा लगता जो हर बात उनकी मानते।
मैंने ऐसा क्या बिगाड़ा जो बात मेरी न मानते।
बेटो को तुम खूब पढ़ा के मुझको अनपढ़ रखते हो।
बोलो ऐसा क्यूं करते हो पढ़ने क्यूं नही देते हो।
ऐ दुनियां के लोगों - - - - - -
बेटो कि खुशियो को तुम हरदम पूरा करते हो।
मुझको तुम भार समझकर यू ही छोड़ देते हो।
मैं भी तो इंसान हूं फिर क्यू तुम ऐसा करते हो।
बेटा बेटी एक समान तुम ऐसा क्यू नही मानते।
ऐ दुनियां के लोगो - - - - - -
छोटी उम्र मे शादी मेरी तुम करते बड़े शौक से।
मेरी उम्र कैसे कटती ये तुम क्यूं नही जानते।
ऐसा पाप क्यूं करते हो भगवान से क्यू नही डरते हो।
मेरा कहना मान लो अब ऐसा करना छोड़ दो।
ऐ दुनिया के लोगों - - - - - - -

लेखक

9509064670

गीत :- बापू मान जावो नी

बापू मान जाओ नी बापू मान जाओ नी
पढवा ने म्हने बापू भेज दो नी पढवा ने बापू म्हने भेज दो नी।
मैं हाथ जोड थासू विनती करू।
विनती करू थारा पैर पकडू॥
पढवा ने बापू म्हनै भेज दो नी।
मान जाओ नी बापू ------
म्हारी उम्र रा टाबर स्कूल जावै।
स्कूल जावैं सगला पढवा जावै॥
स्कूल जावै सगळा पढवा जावै।
म्हाने भी पढवा बापू भेज दो नी।
मान जाओ नी बापू -------
पढवा रो बापू म्हनै कोड घणौ रो।
कोड घणौ रो बापू म्हनै शौक घणौ रो॥
पढवा ने बापू म्हनै भेज दो नी।
पढवा ने बापू म्हनै भेज दो नी॥
मान जाओ नी बापू --------
म्हारी तो बापू थासू विनती है।
विनती है। थासू प्रार्थना है।
पढवा ने बापू म्हनै भेज दो नी।
पढवा ने बापू म्हनै भेज दो नी॥
मान जाओ नी बापू ------

लेखक

Jaikishan

9509064670

गीत :- बस्तलियो मगवाइदे माँ ।

बस्तलियो मगवाइदे माँ म्हारे बस्तलियो मगवाइदे ।
बस्तो ले मैं स्कूल जासू बस्तो ले मैं स्कूल जासू ॥
बस्तलियो मगवाइदे माँ - - - - - - -

पढवा रो म्हनै कोड घणों माँ पढवा रो म्हने शौक घणो माँ ।
पढवा रो म्हनै शौक घणो माँ लिखवा रो म्हने कोड घणो माँ ॥
बस्तलियो मगवाइदे माँ - - - - - -

टाबरियो ने जद पढवा देखू मन म्हारो घबरावे माँ ।
मन म्हारो घबरावे माँ, मन म्हारो दुख पावे माँ ॥
बस्तलियो मगवाइदे माँ - - - - - - -

म्हारी उम्र रा सगला टाबर पढवा ने ऐ जावै माँ ।
म्हारो भी तू नाम लिखा दे मैं भी पढवा जासू माँ ॥
बस्तलियो मगवाइदे माँ - - - - - - -

बापू सू तू कह दे माँ बस्तो म्हारे ला दे माँ ।
बस्तो ले मैं स्कूल जासू बस्तो ले मैं पढवा जासू ।
बस्तलियो मगवाइदे माँ - - -

लेखक
Vaishav
9509064670

गीत : म्हारी छोटी सी उमर मे शादी कर दी ।

म्हारी छोटी सी उमर मे शादी कर दी म्हारा बापू जी
करदी म्हारी माता जी मैं उमर किकर काढू जी ॥
लेगो नही पेरियो मैं तो चुनड नही ओढी ।
इण सासरिये मे उमर किकर काढू म्हारा बापू जी ।
काढू म्हारी माता जी मैं उमर किकर काढू जी ॥
म्हारी छोटी सी — — — — —

गाय नही दोसी मैं तो भैंसिया नही दोसी
इण सासरिये मे दूध किकर काढू म्हारा बापू जी
काढू म्हारी माता जी मैं उमर किकर काढू जी ॥
म्हारी छोटी सी उमर — — — — — —

रोटी नही पकाई मैं तो सब्जी नही बणाई ।
इण सासरिये मे खाणो किकर बणाऊ म्हारा बापू जी
बणाऊ म्हारी माता जी मैं उमर किकर काढू जी ।
म्हारी छोटी सी उमर — — — —

लिखणो नही सीखी मैं तो पढणो नही सीखी ।
इण सासरिये रा लेखा किकर लेवा म्हारा बापू जी ।
लेवा म्हारी माता जी मैं उमर किकर काढू जी ॥
म्हारी छोटी सी उमर — — — —

लेखक
Vaishay
9509064670

Notes

देश भक्ति कविता :- जान हथेली पे रख लो

जान हथेली पर रख लो आँखो में आँसू भर लो।
हाथ में बन्दूक ले लो बन्दूक में बारूद भर लो।
तिलक लगा लो इस माटी से दुश्मन दुर भगा दो घाटी से।
जान हथेली पे रखलो - - - -
हर वक्त तुम तैयार रहना, कभी ना किसी से डरना।
भारत कि तुम रक्षा करना इनसे पीछे कभी न रहना॥
जान हथेली पे रखलो - - - -
आओ एक हो जाओ अब दुश्मन दुर भगाओ सब।
डरना नही दुनिया से अब दुनियाँ को ताकत बतला दो अब॥
जान हथेली पे रखलो - - - - -
दुश्मनो ने ललकारा है उनको दूर भगाना है।
मातृभूमि की रक्षा खातिर सब कुछ अर्पण करना है।
जान हथेली पे रखलो - - - -

गीत :- ओ तो कड़जे भारत म्हारो रे

ओ तो कड़जे रे भारत म्हारो रे भारत म्हारो रे
इण पर मैं मर जाऊं ओ हो के इण पर मैं मिट जाऊं आहा।
के ओ तो म्हारो भारत देश।

ओ तो कड़जे - - - - - - -

इण धरती की मिट्टी उपजे, उपजे हीरे मोती।
इस पर चले पवन पुरवइया आ ओ गीत प्रेम रा गावें।
जिस पर मैं मर जाऊं ओ हो के जिस पर मैं मिट जाऊं आहा।

ओ तो कड़जे - - - - - - -

इण धरती पर कल कल करती बहती अमृत जल की धारा
जो इण धरती री प्यास बुझाए जिण सू हरियाली छा जाए।
जिस पर मैं मर जाऊं ओ हो के जिस पर मैं मिट जाऊं आहा॥

ओ तो कड़जे - - - - - - -

इण धरती पर वीर अनेक इस पर रहते ऋषि अनेक
जो अपने तप बलिदान सू सींचे है माँ के आँचल को
जिस पर मैं मर जाऊं ओ हो के जिस पर मैं मिट जाऊं आहा।

ओ तो कड़जे - - - - - - -

लेखक

Jaikishan

9509064670

गीत :- आ है आखर री मनवार ।

आ है आखर री मनवार इणने सगला लीजो यार ।
इण बिन है जग मे अंधियारा इण बिन जग सूना सूना ।
फिर भी सगला पीछे रेवैं आओ मिलकर इणने लेवा ।।
आ है आखर - - -

आखर बिन जीवन मे अंधियारा इणसू उजाळो होवे भाया ।
आखर है जीवन री बूटी इणने सगला लीजो भाया ।
इणसू दूर न रइजो भाया, आओ मिलकर इणने लेवा ।।
आ है आखर - - - - - - -

आखर ज्ञान की जोत जलाए अपना जीवन सफल बनाए ।
आखर है ज्ञान की बूटी जो जीवन मे खुशियाँ लावे ।
फिर भी सगला पीछे रेवैं आओ मिलकर इणने लेवा ।।
आ है आखर - - - - -

आखर अपनी आन बढ़ाए आखर अपनी शान बढ़ाए ।
आखर है इज्जत की पुड़िया जो अपनी ये शान बढ़ाए ।
फिर भी सगला पीछे रेवैं आओ मिलकर इणने लेवा ।।
आ है आखर - - - - -

हाथ जोड़ मैं करू विनती इणने सगला लीजो भाया ।
आखर है ज्ञान की जोत इणको जलाए रखना भाया ।
मेरी बात को मानो भाया आओ मिलकर इणने लेवा ।।
आ है आखर री मनवार - - - -

लेखक

Jaikishan

9509064670

गीत :- मैं रह गयो अणपढ़ टाबरियो

पढ़वा खातिर सिसकूं मैं तो² कद पढ़वा सी बाबलियो ।
सगला साथी पढ़ गया मैं तो रेयो अणपढ़ टाबरियो ।
गीत गाऊला कोड करूला² जद पढ़वासी बाबलियो
सगला साथी पढ़ गया मैं तो रेयो अणपढ़ टाबरियो
नयो नवेलो बस्तो लासी जद निरखूला बसतलियो ।
पाटी लासी पेन्सील लासी² जद जाऊला स्कूलियो ।
सगला साथी पढ़्या मैं तो रेयो अणपढ़ टाबरियो ॥
सगला साथी पढ़ गया लिख गया घर बैठो मैं बाबलिया
म्हारो भी तू नाम लिखा दे² फिर जाऊला स्कूलिये
सगला साथी पढ़्या मैं तो रेयो अणपढ़ टाबरियो ॥
बढ़िया बढ़िया काम करूला जद बणूला अफसरियो ।
पैसा ख्व मैं घर भर दूला² खुश कर दूला बाबलिया ।
सगला साथी पढ़्या मैं तो रेयो अणपढ़ टाबरियो ।
छम छम करतो पढ़ना जासू जद देखेला साथिड़ा
नाम करूला जग मे थारो² जद पढ़वासी बाबलियो
सगला साथी पढ़्या मैं तो रेयो अणपढ़ टाबरियो ॥
हाथ जोड़ मैं करू बिनती म्हनै पढ़ना दे बाबलिया ।
सगला साथी पढ़्या मैं तो रेयो अणपढ़ टाबरियो ॥

Jaikishan
9509064670

नारी महीमा :- हे भगवान हे भगवान

हे भगवान हे भगवान ऐसा जुल्म क्यू किया।
एक बेटी बनाकर मुझको इस जग मे क्यू भेज दिया।
हे भगवान हे भगवान - - - -
तुझे पता है इस जग में इक बेटी की क्या हालत है।
चीर द्रोपदी के तन से इस जग वालो ने हर लिया।
हे भगवान हे भगवान - - - -
मीरा को अमृत के नाम पर इस जग वालो ने जहर दिया।
फिर भी मुझको नारी बनाकर ऐसा पाप क्यू किया।
हे भगवान हे भगवान - - - -
दहेज के नाम पर जगवालो ने नारी को जला दिया।
जन्म से पहले ही मुझे मौत के घाट उतार दिया।
हे भगवान हे भगवान - - - -
जुल्म ढहा कर मुझ पर इसने फिर अकेला छोड दिया।
ऐसा मैंने क्या किया जो तू अकेला छोड दिया।।
हे भगवान हे भगवान - - - -

लेखक

Jaikishan
9509064670

कविता 1 - म्हारे देश रा नेताजी

म्हारे देश रा नेताजी भाई म्हारे देश रा नेताजी।
धोला धोला चोला पेरे² बात करे है मोटी जी।।
म्हारे देश रा - - - - - - - - -

वोट आवे जद पैर छूए वादा करे है मोटा जी।
काम पड़िया जद मुंह न बताए² मौज उड़ावे बैठा जी।।
म्हारे देश रा - - - - - - - - -

धोली गाड़ी लाल बत्ती बैठा घूमे शौक सू।
मोटा मोटा बंगला बनावे² राखे नौकर चाकर जी।
म्हारे देश रा - - - - - - - -

रिश्वत इण नै सब सू प्यारी शौक घणा है न्यारा जी।
कदई तो ऐ विदेश जावे² कदई जावे दिल्ली जी।।
म्हारे देश रा - - - - - - - -

मीठी मीठी बात बनावे सबरो मन हर्षावे जी।
काम पड़िया जद दूर भागे² पास न आवे कभी जी।
म्हारे देश रा - - - - - - - -

लालू सोनिया अटल बिहारी अपणो देश चलावे जी
दिखने मे सब न्यारा - न्यारा सब मिलकर मौज मनावे जी।
म्हारे देश रा - - - - - - -

- लेखक

Vaibhav

9509064670

नशामुक्ति गीत :- ओ गाँव वालो

ओ गाँव वालो जरा तुम सुनना
न करना, कोई, तुम नशा, ये नशा है बुरी बड़ी चीज रे।
ओ गाँव वालो ---------
न खाना कभी तुम जर्दा, ये खाना है बड़ी बुरी बात रे।
ये कैन्सर का घर है यारो, ये जर्दा है बड़ी बुरी चीज रे।
ओ गाँव वालो ---------
न पीना कभी तुम दारू ये पीना है बड़ी बुरी बात रे।
ये करदे बदनाम तुम्हे यारो, ये दारू है बड़ी बुरी चीज रे।
ओ गाँव वालो ---------
न खाना कभी तुम अमल, ये खाना है बड़ी बुरी बात रे।
ये करदे बुरा हाल तेरा, ये अमल है बड़ी बुरी चीज रे।
ओ गाँव वालो ---------
न खाना कभी तुम गुटखा ये खाना है बड़ी बुरी बात रे।
ये है मौत का यमराज यारो, ये गुटखा है बड़ी बुरी चीज रे।
ओ गाँव वालो ---------

लेखक

Jaikishan

9509064670

कविता :- वाह रे म्हारा नेताजी

वाह रे म्हारा नेताजी काई थारो केणो ।
मोटी मोटी बाता करणा और मौज सू रेणो ।
वाह रे म्हारा - - - - - - - - - -
वोट आवे जद वोट मांगणो पछे भूल जाणो ।
आ है थारी बात निराली काई थारो कैणो ।
वाह रे म्हारा - - - - - - - - - -
जे कोई थासू बैर लेवे उण पर चौध दिखाणो ।
टेम आवे जद थे अवसर न चूको काई थारो कैणो ।
वाह रे म्हारा - - - - - - - - - -
पैसा सू है थाने मोह घणेरो काई थारो कैणो ।
है आपरो एक ही लक्ष्य खूब पैसो कमाणो ।।
वाह रे म्हारा - - - - - - - - - -
गरीब बापड़ो काई करे उणनें थे कुछ न जाणो ।
इण बात ने क्यू भूलो हो थे उणरा ही खावो दाणो ।
वाह रे म्हारा - - - - - - - - - -
टेम आ गई चेतन री इण बात ने थे अब जाणो ।
अब छूट झूठ री बाता छोड़ो नी तो साम दियो है थाणो ।
वाह रे म्हारा - - - - - - - - - -
आ है म्हारी थासू अरदास अबे थे साची बात ने जाणो ।
नी तो थानें मे पड़िया पड़िया पछे गावो ला गाणो ।
वाह रे म्हारा - - - - - - - - - -

लेखक
Jaikishan
9509064670

गीत :- हमारी स्कूल आ जाना

आ जाना आ जाना आ जाना आ जाना ।
जब मन न लगे कहीं और हमारी स्कूल आ जाना ।
आ जाना आ जाना - - - - - - - -
जब नींद न आये तुम्हे यार जब पढ़ना हो तुम्हे यार ।
तो बस्ता ले के आ जाना हमारी स्कूल आ जाना ।
आ जाना आ जाना - - - - -
ऐसी स्कूल मिलेगी नहीं चाहे देखलो और कहीं ।
जब थक जाओ तुम यार हमारी स्कूल आ जाना ॥
आ जाना आ जाना - - - - -
मैं कहता हूं तुम्हे यार के नाम तुम भी लिखा देना ।
हम मिलकर खूब पढ़ेगे हमारी स्कूल आ जाना ।
आ जाना आ जाना - - - - -

गीत :- साक्षर हो ही जणा

साक्षर हो ही जणा के साक्षर हो ही जणा[2]
जणा साक्षरो रा दुखड़ा घणा[2] सुणलो म्हारा भाई ।
स्कूल में तो फीस मांगे[2] कमी पड़यो री आई
के साक्षर हो ही जणा[3] - - - - -
थोड़ा साक्षरा रे सुखेरो हणो[2] खावे माल मलाई ।
कॉलेज जावे सूट पहने और लगावे टाई ।
के साक्षर हो ही जणा - - -
धोती रे फाली कुर्तो फाटो[2] ऊभी गरीबी आई ।
अमकुड़ी रे कब्जो फाटे[2] रोज लड़े लुगाई ।
के साक्षर हो ही जणा - - - - -
पढ़ता पढ़ता साक्षर हो गया[2] बात समझ मैं आई ।
छोरा छोरिया ने पढ़ना भेजो[2] यू ही कैवा म्हारा भाई
के साक्षर हो ही जणा - - -

गीत :- पढवा क्यूं नही भेजे :-

पढवा क्यूं नहि भेजे माता लिखवा क्यूं नही भेजे।
माताडी तो काम री लोभी पढवा नही भेजे रे।
पढवा क्यूं नही - - - - - - - - -
पापाजी ने बेटा प्यारा उणने खूब पढावे रे।
म्हाने तो रे गायो चरावे गायो लारे भेजे रे।
पढवा क्यूं नही - - - - - - - - - - -
भाइडो तो सबरो प्यारो म्हाने घणो सतावे रे।
म्हने घणो सतावे रे ओ म्हाने घणो डरावे रे।
पढवा क्यूं नही - - - - - - - - -
दादाजी तो पोतो रा लोभी उणने लाड लडावे रे।
उणने खूब लडावे रे रे उणने खूब पढावे रे।
पढवा क्यूं नही - - - - - - - - -
दादीजी ने पोता प्यारा उणने कहानी सुनावे रे।
म्हाने तो तो आंखिया दिखावे पास नही बिठावे रे।
पढवा क्यूं नही - - - - - - - - -

लेखक

Jaikishan

9509064670

Notes

गीत :- भाया स्कूल आइजो रे

भाया बात म्हारी सुणजो रे सुणजो रे।
मैं थाने कैवा भाया स्कूल आइजो रे।
अणपढ़ थे मत रइजो भाया स्कूल आइजो रे।
भाया बात म्हारी - - - - - - - -
पढ़िया लिखिया लोग भाया अफसर बड़ा बणिया रे।
ऐ अणपढ़िया लोग भाया, गलियो मे फिरता रैवे रे रैवे २
मैं थाने कैवा भाया - - - - - - - -
पढ़िया लिखिया लोगो रा टाबर भाया खूब मौज मनावे रे।
अणपढ़िया लोगो रा टाबर भाया रोटी ने तरसे रे तरसे रे।
मैं थाने कैवा भाया - - - - - - -
पढ़िया लिखिया लोग भाया गाड़ी चढ़िया फिरे रे।
ऐ अणपढ़िया लोग भाया घर में पड़िया रैवे रे रैवे रे।
मैं थाने कैवा भाया - - - - - -
पढ़िया लिखिया लोगों रा टाबर भाया रोज स्कूल जावे रे।
अणपढ़िया लोगो रा टाबर भाया गलियो मे पड़िया रैवे रे रैवे रे।
मैं थाने कैवा भाया - - -

लेखक
Jaikishan
9509064670

गीत :- झण्डा तीन रंग का

लहर लहर लहरावे रे झण्डा तीन रंग का।
सबरो मन हर्षावै रे झण्डा तीन रंग का।
लहर लहर लहरावे - - - - - - -
रंग केसरिया ओ त्याग री सीख देवे रे।
झण्डा तीन रंग का।
लहर लहर लहरावे - - - - - - - -
रंग सफेद ओ शान्ति री सीख देवे रे।
झण्डा तीन रंग का
लहर लहर लहरावे - - - - - - - -
हरो रंग धरती ने प्यारो उनको ये भावे रे।
झण्डा तीन रंग का।
लहर लहर लहरावे - - - - - - - -
चक्र अशोक सदा हमे आगे बढ़ना बतलावे रे
झण्डा तीन रंग का।
लहर लहर लहरावे - - - - - - - -
भारत रो ओ राष्ट्रीय ध्वज कहलावे रे।
झण्डा तीन रंग का
लहर लहर लहरावे - - - - - - -

लेखक
Jaikishan
9509064670

कव्वाली :- सांची बात बताऊ रे

सुणो रे सुणो मैं सांची बात बताऊ रे।
क्या सुणे हम क्या सुणे कुछ तो हमे सुणाओ जी।
लडकी को अणपढ न रखना उनको खुब पढाने रे।
वाह जी वाह, वाह जी वाह क्या साची बात बताई रे।
सुणो रे सुणो मैं सांची बात बताऊ रे।
क्या सुणे हम क्या सुणे कुछ तो हमे सुणाओ जी
जर्दा गुटखा अमल दारू थे नशा कभी ना करना रे।
वाह जी वाह, वाह जी वाह क्या साची बात बताई रे।
सुणो रे सुणो मैं सांची बात बताऊ रे।
क्या सुणे हम क्या सुणे कुछ तो हमे सुणाओ जी।
बडे बुढो का सम्मान करना उणसु दूर न रहजो रे।
वाह जी वाह वाह जी वाह क्या साची बात बताई रे।
सुणो रे सुणो मैं सांची बात बताऊ रे।
क्या सुणे हम क्या सुणे कुछ तो हमे सुणाओ जी।
बाल विवाह तुम कभी न करना आ बात म्हारी मानजो रे।
वाह जी वाह वाह जी वाह क्या साची बात बताई रे।
सुणो रे सुणो मै साची बात बताऊ रे।
क्या सुणे हम क्या सुणे कुछ तो हमे सुणाओ रे।
नई फैसन सु दूर रहजो ओ कैणो म्हारो मानजो रे।
वाह जी वाह, वाह जी वाह क्या साचीबात बताई रे।
सुणो रे सुणो मै साची बात बताऊ रे।
क्या सुणे हम क्या सुणे कुछ तो हमे सुणाओ रे
म्हारो तो ओ कैणो भाया बडे प्रेम सु रहजो रे।
वाह जी वाह वाह जी वाह क्या सांची बात बताई रे।

लेखक
Jaikishan
9509064670

कव्वाली :- फैसन तेरी मस्ती ने :-

फैसन तेरी मस्ती ने बिगाड़ा सारा जमाना ।
कैसे बिगाड़ा भाई कैसे बिगाड़ा ।
इन कोट पेन्ट वालो ने बिगाड़ा सारा जमाना ।
फैसन तेरी मस्ती ने बिगाड़ा सारा जमाना ।
कैसे बिगाड़ा भाई कैसे बिगाड़ा ।
इन सिनेमाघर वालो ने बिगाड़ा सारा जमाना ।
फैसन तेरी मस्ती ने बिगाड़ा सारा जमाना ।
कैसे बिगाड़ा भाई कैसे बिगाड़ा ।
इन कोकाकोला वालो ने बिगाड़ा सारा जमाना ।
फैसन तेरी मस्ती ने बिगाड़ा सारा जमाना ।
कैसे बिगाड़ा भाई कैसे बिगाड़ा ।
इन विज्ञापन वालो ने बिगाड़ा सारा जमाना ।
फैसन तेरी मस्ती ने बिगाड़ा सारा जमाना ।
कैसे बिगाड़ा भाई कैसे बिगाड़ा ।
इन मोबाइल वालो ने बिगाड़ा सारा जमाना ।
फैसन तेरी मस्ती ने बिगाड़ा सारा जमाना ।
कैसे बिगाड़ा भाई कैसे बिगाड़ा ।
इन नेताओ ने बिगाड़ा सारा जमाना ।
फैसन तेरी मस्ती ने बिगाड़ा सारा जमाना ।

लेखक
9509064670

कव्वाली :- देखो जमाना आया है :-

देखो जमाना आया रे देखो जमाना आया रे।
कैसा जमाना आया रे भाई कैसा जमाना आया रे
दारू खोरिया खारा बोले मानू अपणो गवावे रे।
लड़े लड़ावे जूता खावे, गलियों मे पड़िया रेवे रे।
देखो जमाना आया रे देखो जमाना आया रे।
कैसा जमाना आया रे कैसा जमाना आया रे।
मात पिता सु टेढ़ा बोले नारी के मन भायो रे।
सास ससुरजी लाखा लागे रंग मे रंग मिलावे रे।
देखो जमाना आया रे देखो जमाना आया रे।
कैसा जमाना आया रे कैसा जमाना आया रे।
आजकाल की लुगाया रे फैसन खूब दिखावे रे।
हाथ घड़ी बांध लुगाया चूड़ी दूर भगाई रे।
देखो जमाना आया रे देखो जमाना आया रे।
कैसा जमाना आया रे कैसा जमाना आया रे।
जिन्स कोर पहन सगला भेष अपणो बदलयो रे।
मात पिता के सहारे नही मन चाह्यो वर पायो रे।
देखो जमाना आया रे देखो जमाना आया रे।
कैसा जमाना आया रे कैसा जमाना आया रे।
मान मर्यादा भूल गए भूल गए सब राम-राम।
नये जमाने कि नयी भाषा बोल दिया बाय-बाय।
देखो जमाना आया रे देखो जमाना आया रे

लेखक
Jaikishan
9509064670

गीत :- अणपढ मत राख पापाजी

अणपढ मत राख पापाजी म्हारी उमर बीती जाय ।
म्हारी उमर बीती जाय म्हारा दिनड़ा बीता जाय ।
पड़ोसी तो अफसर बण गया बैठा मौज मनावै जी ।
देख देख वणने म्हारो मनड़ो घणो दुख पावै जी ।
अणपढ मत राख पापाजी म्हारी उमर बीती जाय ।
म्हारी उमर बीती जाय म्हारा दिनड़ा बीता जाय ।
सुबह सुबह सब स्कूल जावे देख उणने दुःख पावा जी
गुरुजी सु तो ज्ञान लेने मन म्हारो हर्षावे जी ।
अणपढ मत राख पापाजी म्हारी उमर बीती जाय ।
उमर बीती जाय म्हारा दिनड़ा बीता जाय ।
राजू पढ गयी मंजू पढ गयी पढ गयी आ तो अंजु जी
पढ लिख कर आगे बढबो आ बात मैं थाने समझाऊ जी ।
अणपढ मत राख पापाजी म्हारी उमर बीती जाय ।
उमर बीती जाय म्हारा दिनड़ा बीता जाय ।
म्हारे मन री मन मैं रेगी आ बात मैं थाने केता जी
स्कूल म्हाने भेज पापाजी ज्ञान की जोत जला दो जी
अणपढ मत राख पापाजी म्हारी उमर बीती जाय
म्हारी उमर बीती जाय म्हारा दिनड़ा बीता जाय ।

लेखक

Jaikishan

9509064670

कविता :- फैसन है भाई फैसन है

फैसन है भाई फैसन है, आज का ये फैसन है।
हाथ मे मोबाइल ले के हेलो हाऊ आर यू बोले है।
फैसन है भाई - - - -
कोट जिन्स पेर सगला अठी उठी फिरे है।
डाल आखो पर काला चश्मा हे तो सगला अखे है।
फैसन है भाई - - - -
सिगरेट ऊपर सिगरेट फुके, फुके बड़े शौक सू।
खोल पुडी गुटखे री हे तो मुंह मे डाले प्रेम सू।
फैसन है भाई - - - -
गीतकार समझ अपने को, हे गीत प्यार रा गावें है।
नाम पुछो तो खुद ने हे हेमेश रेशमिया बतावे है।
फैसन है भाई - - - -
घर सू सगला कॉलेज रे खुब सॅवर कर जावे है।
उठे सू फिर सगला हे तो फिल्म देखण ने जावे है।
फैसन है भाई - - - -

लेखक
Jaibhay
9509064670

कविता :- अरे म्हारी छोरी झमकुडी

अरे म्हारी छोरी रमकुडी अरे म्हारी छोरी झमकुडी ।
सुणै कोनी छोरी झमकुडी काई करे छोरी झमकुडी ।
काई कैवो म्हारा बापू जी थे काई कैतो म्हारा बापू जी
अरे म्हारी छोरी झमकुडी चाय बणा दे झमकुडी ।
अरे म्हारा बापू सुणो जी मैं तो स्कूल जाऊ जी ।
मम्मी नै थे कहदो जी वो चाय बणा दे जी ।
अरे म्हारी छोरी झमकुडी स्कूल मे काई पडियो जी
घर रो काम सीख ले तू सुख पावेला घणो जी ।
अरे म्हारा बापू सुणो जी घर रे काम मे काई पडियो जी ।
मैं तो स्कूल जाऊ जी स्कूल मे मैं पढसू जी ।
अरे म्हारी छोरी झमकुडी पढने मे काई पडियो जी
अरे म्हारा बापू सुणो जी मैं पढने अफसर बणसू जी
अरे म्हारी छोरी झमकुडी अफसर बण काई करसी जी ।
थने तो घर रो काम करणो जी फिर सासरिये जाणो जी ।
अरे म्हारा प्यारा बापू जी बात म्हारी थे सुणो जी
पैला अफसर बणसू जी फिर सासरिये जासू जी
अरे म्हारे झमकुडी रा बापू जी छोरी साची कैवे जी ।
इणनें पढनें देवो जी जी तो आ दु ख पासी जी ।
अरे झमकुडी री मम्मी जी तू सांची बात कैवे जी
आपा इणनें स्कूल पढासू और अफसर बणासू जी ।

लेखक

कविता :- मत छीनो अधिकार तुम

हम छोटे छोटे बालकों का मत छीनो अधिकार तुम ।
पढ़ने लिखने का है हमको अधिकार रे ।
अनपढ़ रख के तुम मत छीनो ये अधिकार रे ।
हम छोटे - छोटे - - - - - - -
खेलने कूदने का, है हमको अधिकार रे ।
मजदूरी करके तुम मत छीनो ये अधिकार रे ।।
हम छोटे छोटे - - - - - -
स्वतंत्रता से जीने का है हमको अधिकार रे ।
गुलाम बनाकर तुम, मत छीनो ये अधिकार रे ।
हम छोटे - छोटे - - - - - -
स्नेह प्यार पाने का, है हमको अधिकार रे ।
नफरत हमसे करके तुम मत छीनो ये अधिकार रे ।
हम छोटे - छोटे - - - - - -
अपनी बात कहने का, है हमको अधिकार रे ।
बीच में रोक कर तुम मत छीनो ये अधिकार रे ।
हम छोटे छोटे - - - - - -
अपना फैसला खुद करने का, है हमको अधिकार रे ।
छोटी उमर में शादी करके तुम मत छीनो ये अधिकार रे ।
हम छोटे छोटे - - - - - -

- लेखक
Jaikishan
9509064670

देश भक्ति कविता :- क्यूं मरते हो पाकिस्तानियो

क्यूँ मरते हो पाकिस्तानियो कश्मीर हमारा है।
अरे मरने का इतना ही शौक है तो वही मरो ना।
क्यूँ आते हो आंतकवादी बनकर यहाँ मरने को।
क्या पाकिस्तान मे कब्रिस्तान की कमी पड़ गयी।
क्यूँ मरते हो - - - - - -

अरे कश्मीर की पावन धरा पर कदम ना रखना।
क्यूंकि ये तो भारत की आन बान और शान है।
इस पर आँख उठाने कि गलती मत करना।
वरना हम तुम्हे जलाकर भस्म कर देंगे।
क्यूँ मरते हो - - - - - -

अरे क्या याद नही सन 1971 का वो दिन
जब हमने तुम्हारा सीना चीर के दो टुकडे किए थे।
एक पाकिस्तान व दुसरा बंगलादेश बना दिया था।
अब ऐसी गलती मत करना वरना तुम्हारा कब्रिस्तान बना देंगे।
क्यूँ मरते हो - - - - - -

अरे अब भारत के लोगो के सब्र की परीक्षा मत लेना।
बहुत सहन किया है हमने अब और सहन नही होगा।
अब तो भारत का जन्म लेता बच्चा भी शेर कहलाता है।
अगर वो भी दहाडा तो पूरा पाकिस्तान हिला देगा।
क्यूँ मरते हो - - - - - -

अरे क्यूँ मिमियाते हो मेमने कि तरह दुनिया के सामने।
कि मुझे कश्मीर दिला दो कश्मीर दिला दो।
अरे है ताकत बाजुओ मे तो सामने आओ।
फिर देखना तुम्हे कैसे कश्मीर मिलता है।
क्यूँ मरते हो - - - - - -

लेखक
Jaikishan
9509064670

Notes

भाया बात म्हारी सुणजो रे सुणजो रे ।
अम्ल तम्बाकु दारूडे सू अलगा रइजो रे ।
के भाया बात - - - - - - - - - - -
अम्लीडे ने अम्ल प्यारो उण सू हेत लगावे रे ।
बिन अम्ल अमलिडो भाया घर घर भटका खावें रे खावें रे ।
के भाया बात - - - - - - - - - - -
दारूडे री कथा सुनाऊ आ तो लम्बी चौडी रे ।
गलीया गलिया फिरे रोवता कुतिया मुडो चाटे रे चाटे रे ।
के भाया बात - - - - - - - - - - -
बिडी सिगरेट पिए जिणरो हिवडो जलियो जावे रे ।
हाथ बने कपडा वासे गंध घणेरी आवें रे आवें रे ।
के भाया बात - - - - - - - - - - -
जर्दा गुटखा बेगम ऐ लोग घणेरा खावे रे ।
होवे कैंसर इणसू ऐ तो मौत बेगी बुलावें रे बुलावें रे ।
के भाया बात - - - - - - - - - - -

मेरे द्वारा रचित कुछ गीत और कविताये आशा करता हूं कि
बच्चो के काम आयेगें